

332

आज पत्रजली पत्र उद्योग की लवाही  
अनु०। वारी अनु०। कई बार आवाज  
लगाई गई वती वारी उपस्थित नहीं  
वारी के वकील उपस्थित हुए। पत्रकी  
आरम्भ पत्रकी व आरम्भ दाखरी के वकील  
की जाकर पत्रजली व फौजल सुमार  
दीकर आरम्भ उपस्थित है।



उपसहपाठिकाणी  
बादी (श्रीलपुर) राजप.